Speech delivered by H.E. Ambassador Dr. Piyush Singh at the Flag Unfurling Ceremony on the occasion of 77th Republic Day of India [26 January 2026; Embassy Premises, Asuncion]

Dear members of India Diaspora and friends of India in Paraguay, I begin with congratulating you on the 77th Republic Day of India. It was on this day in 1950 that the Constitution of India came into force. This day is celebrated with joy and enthusiasm across India. Many of you would have also witnessed the majestic Republic Day parade on Kartavya Path in New Delhi. This day is also celebrated in various parts of the world by the Indian diaspora

Friends, the Constitution of India is the expression of the will of the People of India. It is the foundational document on which Modern India is built. Today is also the day when we pay our tributes to the learned men and women who worked tirelessly to draft the Constitution. I am glad to note that last November a bust of the architect of Indian Constitution Dr. B.R. Ambedkar was unveiled at UNESCO Headquarters to mark 75 years of India's constitution.

Now, I will read out the Address to the Nation delivered by Hon'ble President of India Smt. Droupadi Murmu on the eve of Republic Day 2026.

My dear fellow citizens,

Namaskar!

We, the people of India, at home and overseas, are going to celebrate Republic Day with fervour. I extend my heartfelt greetings to all of you on this National Festival.

The auspicious occasion of Republic Day gives us an opportunity to reflect on the status and direction of our country in the past, present, and future. The force of our freedom movement changed the status of our country on 15th August, 1947. India became Independent. We became the architects of our own national destiny.

Desde el veintiséis de enero de mil novecientos cincuenta, hemos impulsado nuestra República hacia los ideales constitucionales que nos definen. Ese día, nuestra Constitución entró plenamente en vigor. Bharat, la cuna de la democracia, se liberó del sistema de dominio y nació nuestra república democrática.

Nuestra Constitución es el documento fundacional de la república más grande de la historia del mundo. Los ideales de justicia, libertad, igualdad y fraternidad consagrados en nuestra Constitución definen a nuestra República. Los redactores de la Constitución proporcionaron una base sólida para el espíritu de nacionalismo y la unidad del país a través de disposiciones constitucionales.

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमारे राष्ट्र का एकीकरण किया। पिछले वर्ष 31 अक्तूबर को, कृतज्ञ देशवासियों ने उत्साहपूर्वक उनकी 150वीं जयंती मनाई। उनकी 150वीं जयंती के पावन अवसर से जुड़े स्मरण-उत्सव मनाए जा रहे हैं। ये उत्सव देशवासियों में राष्ट्रीय एकता तथा गौरव की भावना को मजबूत बनाते हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक, हमारी प्राचीन सांस्कृतिक एकता का ताना-बाना हमारे पूर्वजों ने बुना था। राष्ट्रीय एकता के स्वरूपों को जीवंत बनाए रखने का प्रत्येक प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

पिछले वर्ष, 7 नवंबर से, हमारे राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष सम्पन्न होने के उत्सव भी मनाए जा रहे हैं। भारत माता के दैवी स्वरूप की वंदना का यह गीत, जन-मन में राष्ट्र-प्रेम का संचार करता है। राष्ट्रीयता के महाकवि सुब्रमण्य भारती ने तमिल भाषा में 'वन्दे मातरम् येन्बोम्' अर्थात 'हम वन्दे मातरम् बोलें' इस गीत की रचना करके वन्दे मातरम् की भावना को और भी व्यापक स्तर पर जनमानस के साथ जोड़ा। अन्य भारतीय भाषाओं में भी इस गीत के अनुवाद लोकप्रिय हुए। श्री ऑरोबिंदो ने 'वन्दे मातरम्' का अंग्रेजी अनुवाद किया। ऋषितुल्य बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वन्दे मातरम्' हमारी राष्ट्र-वंदना का स्वर है।

Two days ago, on 23rd January, the nation paid its respectful tributes to Netaji Subhas Chandra Bose on his birth anniversary. Since 2021, Netaji's Jayanti is celebrated as 'Parakram Diwas' so that the people, especially the youth, can draw inspiration from his indomitable patriotism. Netaji's slogan 'Jai Hind' is the declaration of our national pride.

प्यारे देशवासियो,

आप सब, हमारे जीवंत गणतन्त्र को शक्तिशाली बना रहे हैं। हमारी तीनों सेनाओं के बहादुर जवान, मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहते हैं। हमारे कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान, देशवासियों की आंतरिक सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। हमारे अन्नदाता किसान, देशवासियों के लिए पोषण सामग्री उत्पन्न

करते हैं। हमारे देश की कर्मठ और प्रतिभाशाली महिलाएं अनेक क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं। हमारे सेवाधर्मी डॉक्टर, नर्स और सभी स्वास्थ्य-कर्मी देशवासियों के स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। हमारे निष्ठावान सफाई मित्र, देश को स्वच्छ रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। हमारे प्रबुद्ध शिक्षक, भावी पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। हमारे विश्व-स्तरीय वैज्ञानिक और इंजीनियर, देश के विकास को नई दिशाएं देते हैं। हमारे मेहनती श्रमिक भाई-बहन, राष्ट्र का नव-निर्माण करते हैं। हमारे होनहार युवा और बच्चे, अपनी प्रतिभा और योगदान से देश के स्वर्णिम भविष्य के प्रति हमारा विश्वास मजबूत करते हैं। हमारे प्रतिभाशाली कलाकार, शिल्पकार और साहित्यकार, हमारी समृद्ध परम्पराओं को आधुनिक अभिव्यक्ति दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों के विशेषज्ञ, देश के बहुआयामी विकास को दिशा दे रहे हैं। हमारे ऊर्जावान उद्यमी, देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने वाले व्यक्ति और संस्थान, अनगिनत लोगों के जीवन में प्रकाश का संचार कर रहे हैं। सरकारी तथा गैर-सरकारी कार्यालयों एवं संस्थानों में काम करने वाले सभी कर्तव्यपरायण लोग, राष्ट्र-निर्माण में अपनी सेवाएं समर्पित कर रहे हैं। जन-सेवा के लिए प्रतिबद्ध जनप्रतिनिधि देशवासियों की आकांक्षाओं के अनुरूप कल्याण एवं विकास के लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार, सभी जागरुक एवं संवेदनशील नागरिक, हमारे गणतन्त्र की प्रगति यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे गणतंत्र को सशक्त बनाने के प्रयासों में कार्यरत सभी देशवासियों की मैं हृदय से सराहना करती हूं। प्रवासी भारतीय, हमारे गणतंत्र की छवि को विश्व-पटल पर गौरव प्रदान करते हैं। मैं उनकी विशेष सराहना करती हूं।

Estimados conciudadanos:

Hoy, veinticinco de enero, se celebra en nuestro país el «Día Nacional del Votante». Nuestros ciudadanos adultos emiten con entusiasmo sus votos para elegir a sus representantes. Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar creía que el ejercicio del derecho al voto conduce a la educación política. Nuestros votantes, en consonancia con la visión de Babasaheb, están demostrando su conciencia política. La creciente participación de las mujeres en las votaciones añade una poderosa dimensión a nuestra República.

La participación activa y empoderada de las mujeres es extremadamente importante para el desarrollo del país. Los esfuerzos nacionales en pro de la salud, educación, seguridad y empoderamiento económico han aumentado la participación de las mujeres en muchos ámbitos. La

campaña «Beti Bachao, Beti Padhao» ha fomentado la educación de las niñas. En el marco del programa «Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana», se han abierto hasta ahora más de quinientos setenta millones de cuentas bancarias. Casi el cincuenta y seis por ciento de estas cuentas pertenecen a mujeres.

हमारी बहनें और बेटियां, परंपरागत रूढ़ियों को तोड़कर आगे बढ़ रही हैं। महिलाएं देश के समग्र विकास में सक्रिय योगदान दे रही हैं। दस करोड़ से अधिक self-help-groups से जुड़ी बहनें विकास की नई परिभाषा लिख रही हैं। महिलाएं, खेत-खलिहानों से लेकर अन्तरिक्ष तक, स्व-रोजगार से लेकर सेनाओं तक, अपनी प्रभावी पहचान बना रही हैं। खेल-कूद के क्षेत्र में हमारी बेटियों ने विश्व-स्तर पर नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। पिछले वर्ष नवंबर में, भारत की बेटियों ने ICC Women's Cricket World Cup और उसके बाद Blind Women's T20 World Cup जीतकर स्वर्णिम इतिहास रचा है। पिछले ही वर्ष Chess World Cup का फाइनल मैच भारत की ही दो बेटियों के बीच खेला गया। ये उदाहरण खेल-जगत में हमारी बेटियों के वर्चस्व का प्रमाण हैं। ऐसी बेटियों पर देशवासियों को गर्व है।

पंचायती राज संस्थाओं में महिला जन-प्रतिनिधियों की संख्या लगभग 46 प्रतिशत है। महिलाओं के राजनैतिक सशक्तीकरण को नई ऊंचाई देने वाले 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से, महिलाओं के नेतृत्व द्वारा विकास की सोच को अभूतपूर्व शक्ति मिलेगी। विकसित भारत के निर्माण में नारी-शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उनके बढ़ते हुए योगदान से, हमारा देश महिला-पुरुष समानता पर आधारित समावेशी गणतन्त्र का उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

With an inclusive approach, many schemes are being implemented for the welfare and development of the underprivileged segments. Last year on 15th November, the people of our country celebrated the fifth Janjatiya Gaurav Divas on the birth anniversary of Dharti Aaba Bhagwan Birsa Munda, and that marked the culmination of the celebrations held to commemorate the 150th Jayanti of Bhagwan Birsa Munda. Through the 'Adi Karmayogi' campaign, the leadership potential of the people of the tribal community has been nurtured. In recent years, the government has taken many steps, including the construction of museums, to introduce the glorious history of the tribal community to the people of the country. Their welfare and development are given high priority. Under the 'National Sickle Cell Anaemia Elimination Mission', more than 6 crore screenings have been conducted so far. Nearly one lakh forty thousand students are receiving education in Eklavya Model Residential Schools, and many

students have performed exceptionally well in competitive examinations. Such campaigns in health and education are working to bring harmony between the traditions and modern development among the tribal communities. The ‘Dharti Aaba Janajatiya Gram Utkarsh Abhiyan’ and the 'PM-JANMAN Yojana' have empowered all tribal communities, including PVTG communities.

हमारे अन्नदाता किसान, हमारे समाज के तथा अर्थ-व्यवस्था के मेरुदंड हैं। किसानों की परिश्रमी पीढ़ियों ने हमारे देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाया है। किसानों के परिश्रम के बल पर ही हम कृषि आधारित उत्पादों का निर्यात कर पा रहे हैं। अनेक किसानों ने सफलता के अत्यंत प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। किसान भाई-बहनों को अपने उत्पादों का उचित मूल्य मिले, रियायती ब्याज पर ऋण मिले, प्रभावी बीमा सुरक्षा मिले, खेती के लिए अच्छे बीज मिलें, सिंचाई की सुविधाएं मिलें, अधिक उत्पादन के लिए उर्वरक उपलब्ध हों, उन्हें आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ा जाए तथा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए, इन सभी विषयों को प्राथमिकता दी जा रही है। ‘पीएम किसान सम्मान निधि’ के द्वारा किसान भाई-बहनों के योगदान को आदर दिया जा रहा है तथा उनके प्रयासों को संबल प्रदान किया जा रहा है।

Millions of our people who have been struggling with poverty for decades have been lifted above the poverty line. Efforts are also being made to ensure that they do not fall back into the poverty trap. The world's largest scheme of its kind embodying the spirit of Antyodaya, the 'PM Garib Kalyan Anna Yojana', is based on the idea that no one should go hungry in our country of over 140 crore people. This scheme is providing succour to nearly 81 crore beneficiaries. By constructing more than 4 crore pucca houses equipped with electricity, water, and toilet facilities for poor families, they have been provided with a foundation for living a dignified life and making further progress. Such efforts for the welfare of the poor give concrete shape to Mahatma Gandhi's ideal of Sarvodaya.

विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी हमारे देश में है। गर्व की बात है कि हमारे युवाओं में असीम प्रतिभा है। हमारे युवा उद्यमी, खिलाड़ी, वैज्ञानिक और professionals, देश में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं तथा विश्व-स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। आज बड़ी संख्या में हमारे युवा, स्व-रोजगार की सफलता के प्रभावशाली उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारे युवा ही, हमारे राष्ट्र की विकास यात्रा के ध्वज-वाहक हैं। ‘मेरा युवा भारत’ या ‘MY भारत’, टेक्नोलॉजी की सहायता से संचालित एक अनुभव-आधारित शिक्षा व्यवस्था है। यह युवाओं को नेतृत्व और कौशल-विकास सहित, कई क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों

के साथ जोड़ती है। हमारे देश में स्टार्ट-अप्स की प्रभावशाली सफलता का प्रमुख श्रेय हमारे युवा उद्यमियों को जाता है। युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं पर केन्द्रित नीतियों और कार्यक्रमों के बल पर देश के विकास को गति मिलेगी। मुझे विश्वास है कि वर्ष 2047 तक, विकसित भारत के निर्माण में युवा-शक्ति की प्रमुख भूमिका रहेगी।

Estimados conciudadanos:

La India es la economía más importante del mundo con mayor crecimiento. A pesar de la incertidumbre global, la India está registrando un crecimiento económico continuo. Nos estamos acercando a nuestro objetivo de convertirnos en la tercera economía más grande del mundo en un futuro próximo.

Al invertir en la creación de infraestructuras de primer nivel, estamos reconstruyendo nuestra fortaleza económica a una escala mucho mayor. En este recorrido para forjar nuestro destino económico, Atma-nirbharata y Swadeshi son nuestros principios rectores.

La decisión más importante para la integración económica del país tras la independencia, la implementación del GST, ha establecido el sistema de «Una nación, un mercado». Las recientes decisiones para hacer aún más eficaz el sistema GST reforzarán aún más nuestra economía. Se han promulgado cuatro códigos laborales en el ámbito de las reformas laborales. Estos beneficiarán a nuestros trabajadores y también acelerarán el desarrollo de las empresas.

Estimados conciudadanos:

Desde la antigüedad, la humanidad se ha beneficiado de nuestra civilización, cultura y tradiciones espirituales. El ayurveda, el yoga y el pranayama han sido apreciados y adoptados por la comunidad mundial. Muchas grandes personalidades han enriquecido continuamente la corriente de nuestra unidad espiritual y social. Sree Narayana Guru, el gran poeta, reformador social e ícono espiritual nacido en Kerala, dijo que un lugar ideal es aquel en el que todas las personas viven con espíritu de fraternidad, libres de discriminación por motivos de casta y credo. Intentaré expresar este pensamiento de Sree Narayana Guru con sus propias palabras:

जाति-भेदम् मत-द्वेषम्, एदुम्-इल्लादे सर्वरुम्
सोद-रत्वेन वाडुन्न, मात्रुका-स्थान मानित।

यह गर्व की बात है कि आज का भारत, नए आत्म-विश्वास के साथ, अपनी गौरवशाली परम्पराओं के प्रति सचेत होकर आगे बढ़ रहा है। हाल के वर्षों में हमारी आध्यात्मिक परंपरा के पवित्र स्थलों को जन-चेतना के साथ जोड़ा गया है।

नियत अवधि में गुलामी की मानसिकता के अवशेषों से मुक्त होने का समयबद्ध संकल्प किया गया है। भारतीय ज्ञान परंपरा में दर्शन, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित, साहित्य तथा कला की महान विरासत उपलब्ध है। यह गर्व की बात है कि 'ज्ञान भारतम् मिशन' जैसे प्रयासों से भारतीय परंपरा में उपलब्ध रचनात्मकता को संरक्षित और प्रसारित किया जा रहा है। यह मिशन भारत की लाखों अमूल्य पाण्डुलिपियों में संचित विरासत को आधुनिक संदर्भों में आगे बढ़ाएगा। भारतीय भाषाओं तथा भारतीय ज्ञान परम्परा को प्राथमिकता देकर हम आत्म-निर्भरता के प्रयासों को सांस्कृतिक आधार प्रदान कर रहे हैं।

The Constitution of India is now available in all the Indian languages included in the Eighth Schedule. Reading and understanding the Constitution in Indian languages will spread constitutional nationalism among the people and strengthen their sense of pride.

The gap between the government and the general public is being continuously reduced. Emphasis is being placed on good governance based on mutual trust. Many unnecessary rules have been repealed, several compliance requirements have been eliminated, and systems have been simplified to help the people. Beneficiaries are being directly connected to facilities through technology. 'Ease of Living' is being emphasised with the goal of improving everyday life.

Efforts have been made to achieve national goals through public participation over the past decade. Important national campaigns have been transformed into mass movements. Local institutions in every village and city have been made instruments of ushering in progressive change. Building Viksit Bharat is the shared responsibility of all citizens. Society has immense power. Revolutionary changes occur when the efforts made by the government receive active support from society. For example, our people have adopted the digital payment system on a massive scale. Today, more than half of the world's digital transactions take place in India. From buying goods at the smallest shop to paying for an auto-rickshaw ride, the use of digital payments has become an impressive example for the global community. I hope that all citizens will actively participate in achieving other national goals in a similar manner.

Estimados conciudadanos:

El año pasado, nuestro país lanzó ataques de precisión contra la infraestructura terrorista a través de la Operación Sindoor. Se destruyeron centros terroristas y muchos terroristas encontraron su fin. Nuestra autosuficiencia en el campo de defensa impulsó el éxito histórico de la Operación Sindoor.

En el campamento base de Siachen, vi a nuestros valientes soldados totalmente preparados y motivados para defender al país incluso en condiciones extremadamente difíciles.

También tuve la oportunidad de volar en los aviones de combate Sukhoi y Rafale de la Fuerza Aérea India. Pude comprobar la preparación para el combate de la Fuerza Aérea. Fui testigo de las extraordinarias capacidades del portaaviones INS Vikrant, construido en la India por la Armada India. También participé en una salida en el submarino INS Vaghsheer. Gracias a la fortaleza del Ejército, la Fuerza Aérea y la Armada, la población tiene plena confianza en nuestra preparación en materia de defensa.

Mis queridos conciudadanos:

La protección del medio ambiente es hoy en día una prioridad fundamental. Me enorgullece que la India haya guiado a la comunidad internacional en muchos ámbitos relacionados con el medio ambiente. Un estilo de vida en armonía con la naturaleza ha formado parte de la tradición cultural de la India. Este estilo de vida es la base de nuestro mensaje a la comunidad internacional: «Estilo de vida para el medio ambiente» o «LiFE». Esforcémonos por garantizar que los valiosos recursos de la Madre Tierra sigan estando disponibles para las generaciones futuras.

En nuestra tradición, hemos estado ofreciendo oraciones para que la paz prevalezca en todo el universo. El futuro de la humanidad solo puede estar asegurado si hay paz en todo el mundo. En un ambiente marcado por los conflictos en diversas partes del mundo, la India está difundiendo el mensaje de la paz mundial.

Dear fellow citizens,

It is our great fortune to be living in Bharat Bhoomi. Regarding our Matri-Bhoomi, Kavi Guru Rabindranath Tagore has said:

ओ आमार देशेर माटी, तोमार पोरे ठेकाइ माथा।

It means:
sacred soil of my country! I bow my head at your feet.

I believe that Republic Day is an opportunity to further strengthen this strong feeling of patriotism. Let us all work together with the spirit of 'Nation First' and make our Republic even more glorious.

मैं एक बार फिर, आप सभी को, गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देती हूं। मुझे दृढ़ विश्वास है कि आपका जीवन सुख, शांति, सुरक्षा और सौहार्द से परिपूर्ण रहेगा। मैं आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल-कामना करती हूं।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!

As the Ambassador of India to Paraguay, I again congratulate the India diaspora and friends of India in Paraguay on the 77th Republic Day of India. This year 2026 is also a special year for India as we celebrate the 65th anniversary of India-Paraguay diplomatic relations. I hope that all of us will continue to work in the direction of making India-Paraguay relations stronger. Thank You. Jai Hind.

*****